नायक्स टयुटोरिअल्स

Way to Excellence

नमुना प्रश्नपत्रिका क्र – २

कक्षा ः- १० वी **हिंदी संपुर्णम्** **अंक ः- ८०**

Q.1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियॉ कीजिए ः-

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

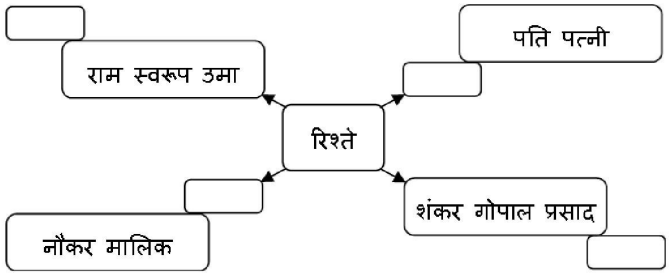

रामस्वरूपः (दरवाजे से बाहर झाँककर) अरे प्रेमा, वे आ भी गए । ... तुम उमा को समझा देना, थोड़ा-सा गा देगी ।
रामस्वरूपःहँ-हँ-हँ । आइए, आइए ! [बाबू गोपाल प्रसाद बैठते है ।] हँ हँ !... मकान ढूँढ़ने में कुछ तकलीफ तो नहीं हुई ?
गो. प्रसादः (खँखारकर) नहीं । ताँगेवाला जानता था । रास्ता मिलता कैसे नहीं?
रामस्वरूपः हँ-हँ-हँ ! (लड़के की तरफ मुखातिब होकर) और कहिए शंकर बाबू, कितने दिनों की छुट्टियाँ हैं?
शंकरः जी, कॉलेज की तो छुट्टियाँ नहीं हैं । 'वीक एंड' में चला आया था ।
रामस्वरूपः तो आपके कोर्स खत्म होने में तो अब साल भर रहा होगा?
शंकरः जी, यही कोई साल-दो साल ।
रामस्वरूपः साल, दो साल?
शंकरः हँ-हँ-हँ !... जी एकाध साल का 'मार्जिन' रखता हूँ ।
गो. प्रसादः (अपनी आवाज और तरीका बदलते हुए) अच्छा तो साहब, फिर 'बिजनेस, की बातचीत हो जाए ।
रामस्वरूपः (चौंककर) बिजनेस'?- (समझकर) ओह !... अच्छा, अच्छा। लेकिन जरा नाश्ता तो कर लीजिए ।
गो. प्रसादः यह सब आप क्या तकल्लुफ करते हैं !
रामस्वरूपः हँ-हँ-हँ ! तकल्लुफ किस बात का। यह तो मेरी बड़ी तकदीर है कि आप मेरे यहाँ तशरीफ लाए । (अंदर जाते हैं।)
गो. प्रसादः (अपने लड़के से) क्यों, क्या हुआ ?
शंकरः कुछ नहीं ।
गो. प्रसादः झुककर क्यों बैठते हो ? ब्याह तय करने आए हो, कमर सीधी करके बैठो । तुम्हारे दोस्त ठीक कहते हैं कि शंकर की 'बैकबोन'-[इतने में बाबू राम स्वरूप चाय की 'ट्रे' लाकर मेज पर रख देते हैं।]

A2) i) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए :- 1

1) गोपालप्रसाद को मकान ढूँढ़ने में तकलीफ हुई।

2) कॉलेज की तो छुट्टियाँ नहीं है |

ii) निन्मलिखित शब्द के लिए प्रश्न लिखिये :- 1

1) साल - .....

2) ब्याह - .....

A3) i) परिच्छेद में प्रयुक्त अंग्रेजी के शब्द लिखिए | 1

i. .....
ii. .....

ii) मानक वर्तनी के अनुसार शब्द लिखिए | 1

1) 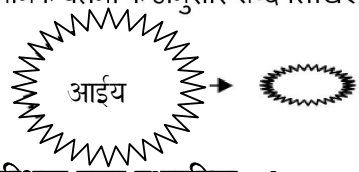

2) 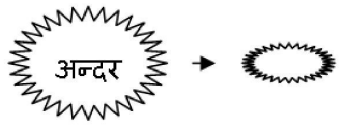

A4) स्वमत :- 2

'महिलाएँ सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं' इस विषय पर 8 से 10 पंक्तियों में अपने विचार लिखिए |

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) परिच्छेद में प्रयुक्त गहनों के नाम हैं - ☐ , ☐

2) 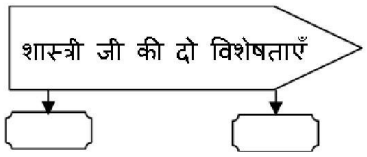

बाबू जी का एक तरीका था, जो अपने आप आकर्षित करता था। वे अगर सीधे से कहते - सुनील, तुम्हें खादी से प्यार करना चाहिए, तो शायद वह बात कभी भी मेरे मन में घर नहीं करती पर बात कहने के साथ - साथ उनके अपने व्यक्तित्व का आकर्षण था, जो अपने में सामने वाले को बाँध लेता था। वह स्वतः उनपर अपना सब कुछ निछावर करने पर उतारू हो जाता था।

अम्मा बताती हैं - हमारी शादी में चढ़ावे के नाम पर सिर्फ पाँच ग्राम सोने के गहने आए थे, लेकिन जब हम विदा होकर रामनगर आए तो वहाँ उन्हें मुँह दिखाई में गहने मिले। सभी नाते - रिश्तेवालों ने कुछ - न - कुछ दिया था। जिन दिनों हम लोग बहादुरगंज के मकान में आए, उन्ही दिनों तुम्हारे बाबू जी के चाचा जी को कोई घाटा लगा था। किसी तरह से बाकी का रूपया देने की जिम्मेदारी हमपर आ पड़ी - बात क्या थी, उसकी ठीक से जानकारी लेने की जरूरत हमने नहीं सोची और न ही इसके बारे में कभी कुछ पूछताछ की।

एक दिन तुम्हारे बाबू जी ने दुनिया की मुसीबतों और मनुष्य की मजबूरियों को समझाते हुए हम हमसे गहनों की माँग की तो क्षण भर के लिए हमें कुछ वैसा लगा और गहना देने में तनिक हिचकिचाहट महसूस हुई पर यह सोचा कि उनकी प्रसन्नता में हमारी खुशी है, हमने गहने दे दिए। केवल टीका, नथुनी, बिछिया रख लिए थे। वे हमारे सुहागवाले गहने थे। उस दिन तो उन्होंने कुछ नहीं कहा, पर दूसरे दिन वे अपनी पीड़ा न रोक सके। कहने लगे - "तुम जब मिरजापुर जाओगी और लोग गहनों के संबंध में पूछेंगे तो क्या कहोगी ?"

हम मुसकाईं और कहा - "उसके लिए आप चिंता न करें। हमने बहाना सोच लिया है। हम कह देंगी कि गांधीजी के कहने के अनुसार हमने गहने पहनने छोड़ दिए हैं। इसपर कोई भी शंका नहीं करेगा।" तुम्हारे बाबू जी तनिक देर चुप रहे, फिर बोले - "तुम्हें यहाँ बहुत तकलीफ हैं, इसे मैं अच्छी तरह समझता हूँ। तुम्हारा विवाह बहुत अच्छे, सुखी परिवार में हो सकता था, लेकिन अब जैसा है वैसा है। तुम्हें आराम देना तो दूर रहा, तुम्हारे बदन के भी सारे गहने उतरवा लिए।"

हम बोलीं - "पर जो असल गहना है वह तो है। हमें बस वही चाहिए। आप उन गहनों की चिंता न करें। समय आ जाने पर फिर बन जाएँगे। सदा ऐसे ही दिन थोड़े रहेंगे। दुख - सुख तो सदा ही लगा रहता है।"

A2) i) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए। 1

शास्त्री जी का व्यक्तित्व सामने वाले को बाँध लेता था ।

ii) निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए :- 1

आकर्षण -

A3) i) लिंग पहचानकर लिखिए। 1

खुशी - .....

ii) परिच्छेद में से दो भाववाचक संज्ञा चुनकर लिखिए। 1

१. ..... २. .....

A4) स्वमत :- 2

"व्यक्ति का सम्मान पद प्रतिष्ठा से नहीं वरन गुणों से होता है" पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियॉ कीजिए :-

1 **A1)** i) कारण लिखिए :- 1

गिल्लू ने दिन भर न कुछ खाया न बाहर गया - .....

ii) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

मृत्यु पूर्व गिल्लू की स्थिती

गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती है अतः गिल्लू की जीवनयात्रा का अंत आ ही गया। दिनभर उसने न कुछ खाया, न बहर गया। रात में अंत की यातना में भी वह झूल से उतरकर मेरे बिस्तर पर आया और ठंडे पंजों से मेरी उँगली पकडकर हाथ से चिपक गया, जिसे उसने अपने बचपन की मरणासन्न स्थिति में पकड़ा था।

पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि मैंने जागकर हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया। परंतु प्रभात की प्रथम किरण के स्पर्श के साथ ही वह किसी और जीवन में जागने के लिए सो गया ।

A2) स्वमत :- 2

आपके प्रिय पालतू पशु - पक्षियों का अनुभव बताइए।

विभाग २ - पदय : 12 अंक

Q.2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः- **(6)**

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) समान रूप से सभी का पालन करती थी - ☐

2) सुधर घरों के वासी है - ☐

3) यहाँ हमेशा उदासी छाई रहती है - ☐

4) प्रकृती माता थी - ☐

वे हैं सुख साधन से पूरित सुघर घरों के वासी,
इनके टूटे – फूटे घर में छाई सदा उदासी |

पहले हमें उदर की चिंता थी न कदापि सताती,
माता सम थी प्रकृति हमारी पालन करती जाती ||

हमको भाई का करना उपकार नहीं क्या होगा,
भाई पर भाई का कुछ अधिकार नहीं क्या होगा |

A2) i) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ परिच्छेद से पहचानकर लिखिए | 0.5

उदर - ☐

ii) समान लय तुकान्त वाले शब्द लिखिए :- 1

कविता में आए तुकांत शब्द लिखिए

iii) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए :- 0.5

प्रकृति समान रूप से हमारा पालन करती थी |

A3) भावार्थ लिखिए :- 2

वे हैं सुख साधन से पूरित सुघर घरों के वासी,
इनके टूटे – फूटे घर में छाई सदा उदासी | पहले हमें उदर की चिंता थी न कदापि सताती,
माता सम थी प्रकृति हमारी पालन करती जाती ||

(आ) निम्नलिखित पठित पदयांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- **(6)**

A1) वाक्य को घटना क्रमानुसार लिखिए :- 2

i. बच्चों की गुल्लक देखना ।
ii. शून्य - ब्रह्मांड मिलना ।
iii. शयन कक्ष में घुसना ।
iv. रौद्र की जगह करूण रस समाना ।

वे खड़े होकर कुछ सोचने लगे
फिर शयन कक्ष में घुस गए
और फटे हुए तकिये की रूई नोचने लगे
उन्होंने टूटी अलमारी को खोला
रसोई की खाली पीपियों को टटोला
बच्चों की गुल्लक तक देख डाली
पर सब में मिला एक ही तत्त्व खाली...
कनस्तरों को, मटकों को ढूँढ़ा सब में मिला शून्य-ब्रह्मांड
देखकर मेरे घर में ऐसा अरण्यकांड
उनका खिला हुआ चेहरा मुरझा गया
और उनके बीस सूची हृदय में
रौद्र की जगह करुण रस समा गया,

A2) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ परिच्छेद से पहचानकर लिखिए | 2

1) रौद्र - .....

2) अरण्य - .....

A3) भावार्थ लिखिए :- 2

वे खड़े होकर कुछ सोचने
लगे फिर शयन कक्ष में घुस गए
और फटे हुए तकिये की रूई नोचने लगे
उन्होंने टूटी अलमारी को खोला
रसोई की खाली पीपियों को टटोला
बच्चों की गुल्लक तक देख डाली
पर सब में मिला एक ही तत्व खाली...

विभाग ३ - पूरक पठन : 8 अंक

Q.3 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः- **(4)**

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

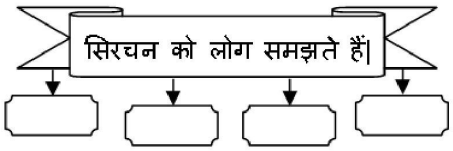

खेती-बारी के समय, गाँव के किसान सिरचन की गिनती नहीं करते । लोग उसको बेकार ही नहीं, 'बेगार' समझते हैं । इसलिए खेत-खलिहान की मजदूरी के लिए कोई नहीं बुलाने जाता है सिरचन को । क्या होगा, उसको बुलाकर ? दूसरे मजदूर खेत पहुँचकर एक-तिहाई काम कर चुकेंगे, तब कहीं सिरचन राय हाथ में खुरपी डुलाता हुआ दिखाई पड़ेगा; पगडंडी पर तौल-तौलकर पाँव रखता हुआ, धीरे-धीरे । मुफ्त में मजदूरी देनी हो तो और बात है ।

आज सिरचन को मुफ्तखोर, कामचोर या चटोर कह ले कोई । एक समय था, जब उसकी मड़ैया के पास बाबू लोगों की सवारियाँ बँधी रहती थीं । उसे लोग पूछते ही नहीं थे,उसकी खुशामद भी करते थे । "अरे, सिरचन भाई ! अब तो तुम्हारे ही हाथ में यह कारीगरी रह गई है सारे इलाके में । एक दिन का समय निकालकर चलो । बड़े भैया की चिट्ठी आई है शहर से-सिरचन से एक जोड़ा चिक बनाकर भेज दो ।"

मुझे याद है.. मेरी माँ जब कभी सिरचन को बुलाने के लिए कहती, मैं पहले ही पूछ लेता, "भोग क्या-क्या लगेगा ?"

A2) स्वमत :- 2

'मजदूर की आत्मकथा' पर 8 से 10 पंक्तियाँ लिखो।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः- **(4)**

1 A1) वाक्य पूर्ण कीजिए :- 2

1) आँखे बरसी .....

2) भीतरी कुंठा बाहर आई .....

भीतरी कुंठा
आँखों के द्वार से
आई बाहर ।

खारे जल से
धुल गए विषाद
मन पावन ।

मृत्यु को जीना
जीवन विष पीना
है जिजीविषा ।

मन की पीड़ा
छाई बन बादल
बरसी आँखें ।

A2) स्वमत :- 2

उपर्युक्त पंक्तियों में छिपे केंद्रीय भाव को स्पष्ट कीजिए ।

विभाग ४ - भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

Q.4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :- **(1)**

किसका भरोसा करूँ - ईमान का या बेईमानी का।

(2) निम्नलिखित अव्यय शब्दों मे से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :- **(1)**

(i) अथवा -

(ii) अलावा -

(3) तालिका पूर्ण कीजिए (कोई एक) :- **(1)**

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i) सूर्योदय	.....	.....
ii)	तथा + एव	.....

(4) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए (कोई एक) :- **(1)**

(i) सादे क्रोटन कों ही रहने दिया है |

(ii) अब तक असफलता हाथ आई थी |

(5) 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए (कोई एक) :- **(1)**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) जीतना	.....	जितवाना
ii) कूदना	.....	कुदवाना

(6) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :- **(1)**

गलती पकड़े जाने पर कमल लज्जित हो गया|
(झेंप जाना, थर-थर काँपना, चैन न मिलना, अपेक्षा करना)

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए

1) फूट-फूट कर रोना -

2) चंपत हो जाना -

(7) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :- **(1)**

1) हर रविवार को चर्च भी जाते थे।

2) नौकरी के लिए आवेदन कर चूका है |

(8) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए :- **(1)**

1) वे कुरते भला कोई यहाँ से फट रहा था कोइ वहाँ से

2) मैं कह उठा मुझे तो कुछ याद नहीं पड़ता

(9) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो) :- **(2)**

(i) वे पत्थर कमजोर हो गए है| (सामान्य वर्तमान)

(ii) मानू फूट – फूटकर रो रही थी | (सामान्य भविष्यकाल)

(iii) काँटों ने फूल की जान बचाई| (सामान्य भविष्यकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :- **(1)**

क्या आप पर क्रांतिकारी आंदोलन का प्रभाव पड़ा?

(ii) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए :- **(1)**

अल्पज्ञ पिता बड़ा दयनीय होता है। (संयुक्त वाक्य)

(11) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :- **(2)**

(i) संस्था की भार आनेवाला बहनें उठा सकेंगे |

(ii) इस वर्ष बड़ा भीषण गर्मी पड़ रहा था |

विभाग ५ - उपयोजित लेखन : 26 अंक

Q.5 (अ) (1) पत्र लेखन - **(5)**

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए : -

वार्ड अधिकारी साउथवार्ड कांदिवली / अपने क्षेत्र में व्याप्त गंदगी की शिकायत हेतु / 11/21 अमृत मंथन को. आप. हौ. सो. गोराई से कमलेश / कमला सिंह पत्र लिखता / लिखती है |

OR

मनोहर / मनीषा उपाध्याय, 20 तपोवन अपार्टमेंट, नागपुर से अपने नानजी शौर्य पाठक, 5/37, नरोत्तमनगर फूलपुर को अपने स्कूल द्यारा आयोजित 'पिकनिक' का वर्णन करते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

(2) गदय आकलन - **(4)**

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक-एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों :-

जीस प्रकार अन्न और जल मनुष्य के शरीर के लिए भोजन का काम देते है, उसी तरह पुस्तकों का अध्यपन आत्मा की तृप्ति करता है। पुस्तकों की कृपा से मनुष्य की आत्मिक भुख शांत होती है। जिससे उसे अपार शांति मिलती है और वह सांसारिक दुःखों से जरा भी नहीं डगमगाता । पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मित्र हैं। ये इतना कल्याण कर सकती है, जितना प्यारे से प्यारा मित्र भी नहीं कर सकता। जब चारों ओर से विपत्ति के बादल छा जाते हैं और बचने का कोई सहारा दिखाई नहीं देता, तब पुस्तकें ही एक सच्चा संदेश सुनाकर रास्ता दिखाती हैं और कर्तव्य से डिगने नहीं देती। इसमें संदेह नही कि सारी पुस्तकें लाभदायक नही होती । जिस प्रकार संसार में भिन्न - भिन्न प्रकार के मनुष्य हैं, उसी प्रकार भिन्न - भिन्न प्रकार की पुस्तकें। अधिकांश पुस्तकों की रचना भलाई के लिए है, कभी - कभी ऐसी पुस्तकों से भी वास्ता पड़ जाता है, जिसकी नीवं स्वार्थ एवं आत्मलिप्सा पर रखी होती है। ऐंसी परिस्थिति में उल्टे लेने के देने पड़ जाते हैं और एक बार रास्ते से भटक जाने पर लौटकर आना कठिन हो जाता है। इसलिए प्रत्येक को पुस्तको के चुनाव में विशेष सावधानी से काम लेना चाहिए तभी लाभ हो सकता है।

(आ) (1) वृत्तांत लेखन - **(5)**

अपने विद्यालय में मनाए गए 'वार्षिकोत्सव' का वृत्तांत लिखिए।
(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख करना अनिर्वाय है।)

अथवा

कहानी लेखन - **(5)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखए, और उचित शीर्षक दीजिए :-

राकेश नाम का तरुण - सुंदर लड़की से प्रेम - विवाह करना - मौज-मजे करना - कुछ दिनों बाद - राकेश द्वारा दहेज की माँग करना - पत्नी द्वारा पिता को गरीबी बताना - दहेज को लेकर दोनों में झगड़ा होना - राकेश का पत्नी के साथ मारपीट करना - पत्नी की असमर्थता - एक दिन राकेश का पत्नी को जला देना - दहेज बुरी बला - सीख।

(2) विज्ञापन लेखन - **(5)**

चेतक कंपनी के साइकिल का विज्ञापन तैयार कीजिए ।

(इ) निबंध लेखन - **(7)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :-

(1) मादक (नशीले) पदार्थ व युवा पीढ़ी

(2) एक फटी पुस्तक की आत्मकथा

(3) श्रम का महत्त्व